



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 41]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 10, 2017/माघ 21, 1938

No. 41]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 10, 2017/MAGHA 21, 1938

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

विदेश व्यापार महानिदेशालय

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली 10 फरवरी, 2017

सं० 58/2015-2020

विषय: प्रक्रिया पुस्तक 2015-20 के पैरा 3.06 में संशोधन

फा.सं. 01/61/180/33/एम 16/पीसी-3.—विदेश व्यापार नीति, 2015-20 के पैराग्राफ 2.04 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार (डीजीएफटी) एतद्वारा एमईआईएस और एसईआईएस के लिए क्षेत्राधिकारी आर ए दर्शानेवाली दो तालिकाओं के साथ सार्वजनिक सूचना सं. 30/दिनांक 26 अगस्त, 2015 के द्वारा अधिसूचित उप-पैरा (ख) और (ग) को प्रतिस्थापित कर प्रक्रिया पुस्तक 2015-20 के पैराग्राफ 3.06 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं।

3.06 क्षेत्राधिकारी आर ए/संबंधित आर ए

(क) आवेदक को एमईआईएस और एसईआईएस के तहत आवेदन-पत्र/आवेदन-पत्रों को सौंपने के लिए आईसी पर पृष्ठांकित कारपोरेट कार्यालय/पंजीकृत कार्यालय/मुख्यालय शाखा कार्यालय के पते के आधार पर क्षेत्राधिकारी आरए को चुनने का विकल्प रहेगा। इस विकल्प का वित्तीय वर्ष की शुरुआत में चयन करना होगा। यदि एक बार विकल्प का चयन कर लिया जाता है तो उस वर्ष से संबंधित दावों के लिए कोई परिवर्तन अनुमत नहीं किया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि एक आवेदक ने 2015-16 के दौरान किए गए निर्यात के लिए प्रतिफल का दावा करने हेतु आरए चेन्नई का चुनाव किया है तो 2015-16 के लिए किए गए निर्यात के लिए सभी दावे, आवेदन-पत्र की तिथि को ध्यान में रखे बगैर, केवल आरए चेन्नई को ही किए जाएंगे।

(ख) एमआईएस के लिए क्षेत्राधिकार

1	2	3
क्र.सं.	यूनिट	क्षेत्राधिकार आर ए
1.	डीटीए / ईएचटीपी / बीटीपी / एसटीपी या इनमें से एक से अधिक में यूनिट रखने वाले आयातक निर्यातक कोड (आईईसी) धारक	विदेश व्यापार महानिदेशालय का क्षेत्राधिकारी आरए जैसा कि परिशिष्ट 1 क में है।
2.	एसईजेड / ईओयू या दोनों में यूनिट रखने वाले आईईसी धारक	परिशिष्ट 1 क के अनुसार विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के संबंधित विकास आयुक्त
3.	उपर्युक्त (i) और (ii) क्षेत्रों में यूनिट रखने वाले आईईसी धारक	श्रेणी (i) और (ii) में स्थित यूनिटों कालम -3 के संबंधित क्षेत्राधिकारों में आवेदन करेंगी।

(ग) एसईआईएस के लिए क्षेत्राधिकार (वार्षिक आधार पर एक आवेदन)

1	2	3
क्र.सं.	यूनिट	क्षेत्राधिकार आर ए
1.	केवल डीटीए में यूनिट रखने वाले आईईसी धारक	परिशिष्ट 1 क के अनुसार विदेश व्यापार महानिदेशालय का क्षेत्राधिकारी आर ए
2.	केवल एसईजेड में यूनिट रखने वाले आईईसी धारक	परिशिष्ट 1 क के अनुसार विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के संबंधित विकास आयुक्त
3.	विविध एसईजेड में यूनिट वाले आईईसी धारक	एसईजेड के विकास आयुक्त को सभी यूनिटों के लिए एक आवेदन जहां इसने सबसे अधिक विदेशी मुद्रा अर्जित की है।
4.	डीटीए और एसईजेड दोनों में यूनिट रखने वाले आईईसी धारक	परिशिष्ट 1 क में दिए अनुसार विदेश व्यापार महानिदेशालय के क्षेत्राधिकारी आर ए को सभी भिन्न-भिन्न यूनिटों के लिए एक आवेदन

सार्वजनिक सूचना का प्रभाव: विविध श्रेणी के यूनिटों वाले निर्यातकों के लिए क्षेत्राधिकारी आर ए के बारे में उपर्युक्त दो तालिकाओं में स्पष्ट किया गया है।

ए. के. भल्ला, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 10th February, 2017

No. 58/2015—2020

Subject: Amendment in Paragraph 3.06 of Handbook of Procedures 2015-20

F. No. 01/61/180/33/AM16/PC-3.—In exercise of powers conferred under paragraph 2.04 of the Foreign Trade Policy, 2015-2020, the Director General of Foreign Trade (DGFT) hereby makes the following amendments in Paragraph 3.06 of Handbook of Procedures 2015-20 by replacing sub para (b) & (c) notified vide PN 30/dated 26 August, 2015 with two tables showing jurisdictional RA for MEIS & SEIS.

3.06 Jurisdictional RA/RA Concerned:

(a) Applicant shall have option to choose Jurisdictional RA on the basis of Corporate Office/ Registered Office/Head Office / Branch Office address endorsed on IEC for submitting application/s under MEIS and SEIS. This option need to be exercised at the beginning of financial year. Once an option is exercised, no change would be allowed for claims relating to that year. To illustrate, if an exporter has chosen RA Chennai for claiming rewards for exports made in 2015-16, then all claims for exports made in 2015-16, irrespective of the date of application shall be made to RA Chennai only.

(b) Jurisdiction for MEIS

1	2	3
Sl.No	Units	Jurisdictional RA
(i)	Importer Exporter Code(IEC) holders having units in DTAs/ EHTPs / BTPs/ STPs or more than one of these	Jurisdictional RA of DGFT as in Appendix 1A
(ii)	IEC holders having units in SEZs /EOUs or both	Respective Development Commissioner of Special Economic Zones (SEZs) as in Appendix 1A
(iii)	IEC holders having units both in (i) & (ii) above	Units located in category (i) & (ii) will apply to respective Jurisdictions at Col-3

(c) Jurisdiction for SEIS (Single application on annual basis)

1	2	3
Sl.No	Units	Jurisdictional RA
(i)	IEC holders having units only in DTAs	Jurisdictional RA of DGFT as in Appendix 1A
(ii)	IEC holders having units only in SEZs	Respective Development Commissioner of Special Economic Zones (SEZs) as in Appendix 1A
(iii)	IEC holders having units in multiple SEZs	Single application for all units to the Development Commissioner of the SEZ where it has achieved highest Forex Earnings.
(iv)	IEC holders having units both in DTA and SEZs	Single application for all different units to the Jurisdictional RA of DGFT as given in Appendix 1A

Effect of Public Notice: Jurisdictional RAs for exporters with multiple categories of units have been spelt out in the above two tables.

A. K. BHALLA, Director General of Foreign Trade